संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Year of Establishment: 2014

Course(s) Offered: M.A. in Functional Hindi (Two Year), Ph.D.

Intake: 15

Number of Regular Faculties:

Sanctioned			Filled		
Professor	Associate Professor	Assistant Professor	Professor	Associate Professor	Assistant Professor
01	02	03	00	00	01

Number of Guest Faculties: 02

List of Faculties

1. Dr.Rajkumar Upadhyay, Assistant Professor
2. Dr.Priya Rai, Guest Faculty
3. Dr Abhishek Upadhyay Guest Faculty
4. Dr. Pradip Rai, Guest Faculty
5. Dr. Aprajita Mishra , Guest Faculty

Batches passed out : 7

पाठ्यक्रम की पृष्ठभूमि, व्यावहारिकता एवं उपयोगिता

भाषा से व्यवहार एवं संस्कार का ज्ञान मिलता है। इसलिए भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु एवं व्यावहारिक चेतना है, जिसके दो मुख्य आयाम एवं तात्पर्य हैं- सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक। व्यक्ति के सौन्दर्यपरक अनुभूतियों के आलम्बन रूप में भाषा आत्मकेन्द्रित और सर्जनात्मक होती है। भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे

सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होती है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज-सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस-टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

राष्ट्रभाषा प्रेमियों एवं भारतीय संविधान-निर्माताओं के मन में एक ऐसी सार्वदेशिक (राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय) हिन्दी के विकास की संकल्पना निहित थी। जो राष्ट्र के अधिसंख्यक समुदाय के पारस्परिक संपर्क-संचार और शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक-प्रयोजनों के अतिरिक्त अन्य (प्रशासनिक, व्यावसायिक एवं वैधानिक) प्रयोजनों को भी सिद्ध करनें में सक्षम हो। इन निर्देशों को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने नई शिक्षा नीति में शिक्षण को अनुशिक्षण एवं स्वशिक्षण से जोड़ते हुए प्रथम चरण में प्रयोजनमूलक हिन्दी में राष्ट्रीय एकरूपता और रोजगारपरक द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को तैयार किया, जिस पाठ्यक्रम को देश के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। अतएव संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.) के प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

सन् **2013-14** शिक्षा सत्र से प्रभावी प्रयोजनमूलक हिन्दी द्विवर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम है। जिसे छः - छः माह के चार सत्रों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सत्र में पांच-पांच प्रश्न पत्र हैं। जिनमें **70** अंकों का सिद्धान्त पक्ष और **30** अंकों का प्रायोगिक अपेक्षित है। चतुर्थ सेमेस्टर का चौथा प्रश्न पत्र परियोजना कार्य (डिजर्टेशन) लघु शोध प्रबंध और पांचवां अंतिम प्रश्न पत्र मौखिकी है।

निर्धारित पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्र कला संकाय के हिन्दी, पत्रकारिता और जनसंप्रेषण, भाषा विज्ञान, कला, इतिहास, पर्यटन; सामाजिक विज्ञान संकाय के अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र; संगणक विज्ञान संकाय के कम्प्यूटर; प्रबंध, दृश्य और मंच कला संकाय के विभिन्न अनुशासनों एवं विषयों को आत्मसात करते हुए प्रमुख बिन्दुओं के आधार पर तैयार

किये गये हैं। पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्न पत्रों की परीक्षा में सैद्धान्तिक, व्यावहारिक, प्रायोगिक, मौखिकी व निर्दिष्ट कार्य भी सम्मिलित किये गये हैं।

विश्वविद्यालय में निर्धारित पाठ्यक्रम की उपाधि को दो वर्षों एवं चार सत्रों (सेमेस्टर) में संस्थागत रूप से अध्ययनोपरान्त परीक्षा उत्तीर्ण कर प्राप्त किया जा सकता है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, विधि आदि किसी अनुशासन में कम-से-कम द्वितीय श्रेणी (न्यूनतम **50** प्रतिशत अंक) की स्नातक उपाधि आवश्यक है। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु हिन्दी भाषा एवं उसके विविध पक्षों का स्नातक स्तर पर ज्ञान भी अपेक्षित है। प्रवेश हेतु कुल स्थान **30** निर्धारित है।

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) पिन- **497001**
(सचलभाष - **09479372732**) **(अणुडाक- rkumanisggu@gmail.com)**

(ख) विभागीय दृष्टिकोण

संचार-क्रांति एवं वैश्वीकरण के अधुनातन समय में जनसंचार माध्यम एक ऐसा व्यवहार क्षेत्र है, जिसमें हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ देखी जा सकती हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रयुक्त हिन्दी भाषा में वे सभी अवएव हैं, जो हिन्दी के व्यवहार क्षेत्रों में प्रायः प्रयुक्त होते हैं। किसी भी स्तरीय हिन्दी समाचार पत्र में राजनैतिक, प्रशासनिक, व्यावसायिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक आदि प्रमुख प्रयुक्तियों के साथ सम्पादकीय, संपादक के नाम पत्र, खेलकूद-समाचार, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन, शेयर आदि विभिन्न विशिष्ट लेखन शैलियाँ भी परिलक्षित की जा सकती हैं। इन समस्त विषयों को ध्यान में रखकर द्विवर्षीय स्नातकोत्तर, (एम.ए.) प्रयोजनमूलक हिन्दी का पाठ्यक्रम निर्माण किया गया है।

(ग) विभागीय उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिन्दी का विषय क्षेत्र पाठ्यक्रम के उद्देश्य की पूर्ति निम्नलिखित बिन्दुओं से स्पष्ट है- आज के विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में राजभाषा के रूप में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का गहन ज्ञान प्राप्त करना, राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विकास की अद्यतन आवश्यकताओं को दृष्टिपथ में रखकर संचार माध्यमों के उपयोग और भाषिक तथा सर्जनात्मक क्षमता सम्पन्न युवावर्ग उपलब्ध कराना। इसके लिए प्रिंट मीडिया के सभी पक्षों और प्रसारण पत्रकारिता के भाषिक पक्ष पर विशेष ध्यान देकर मुख्यतः हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अभियांत्रिकी, वाणिज्य, प्रबन्ध, राजभाषा और हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न पदों का दायित्व संभालने की दृष्टि से पत्रकारिता की अवधारणाओं, सिद्धान्तों, कर्तव्यों, अधिकारों, सीमाओं, सामर्थ्य आदि का विकास करना।

(घ) विभागीय समितियाँ

विगत नौ वर्षों से प्रारम्भ विश्वविद्यालय में सत्र - **2014-15** से प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग का अध्ययन-अध्यापन कार्य शुरू हुआ है। अतः प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग में केवल अध्ययन मंडल की समिति बनाई गई है। धीरे-धीरे विभागीय परिवार बढ़ने पर समितियों एवं अन्य गतिविधियों का कार्य विस्तार किया जाएगा।

(ङ) विभागीय सुविधाएँ

प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग साहित्येतर के विविध आयामों पर केन्द्रित पाठ्यक्रम को संचालित करता है। अतः इस विभाग में कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, टेलीप्रिंटर, विडियो कान्फ्रेसिंग सुविधा, इण्टरनेट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त संसाधनों की व्यवस्था प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग में है।

(च) विभागीय अध्यापकों की संख्या : 05

विभागाध्यक्ष / प्रभारी : डॉ राजकुमार उपाध्याय

क्रमांक	प्राध्यापक का नाम	योग्यता	विशेषीकरण	अणुडाक एवं सचलभाष
1-	 डॉ. राजकुमार उपाध्याय (सहा. प्राध्यापक एवं प्रभारी)	एम.ए. (हिंदी-संस्कृत) पी.एचडी. (बी.एच.यू.) नेट-जेआरएफ (यू.जी.सी.)	पत्रकारिता अनुवाद भाषाविज्ञान काव्यशास्त्र नाट्य-साहित्य साहित्येतिहास	rkumani@gm ail.com **09479372732**
2-	 डॉ प्रिय राय (अतिथि प्रवक्ता)	एम.ए. (हिंदी) पी.एचडी. यू.जी.सी. नेट सी.जी सेट	नाटक कहानी निबंध	priyaraibhu83 @gmail.com
3.	डॉ. अभिषेक उपाध्याय (अतिथि प्रवक्ता)	एम.ए.(हिंदी- प्रमू.हिंदी) पी.एचडी.नेट- जेआरएफ (यू.जी.सी.)	प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, सिनेमा कथा साहित्य	abhisheksher por@gmail.co m
4.	डॉ. प्रदीप राय (अतिथि प्रवक्ता) 	एम.ए.(हिंदी) पी.एचडी. नेट- (यू.जी.सी.)	भाषा विज्ञान पत्रकारिता कहानी	drpradeeprai1 980@gmail.c om
5.	डॉ. अपराजिता मिश्रा (अतिथि प्रवक्ता) 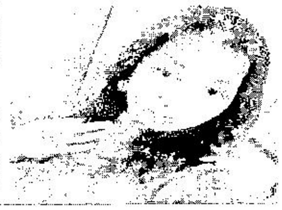	एम.ए. (हिंदी) पी.एचडी. (बी.एच.यू.) नेट-जेआरएफ (यू.जी.सी.)	निबंध नाटक कहानी पत्रकारिता लोक साहित्य	

(छ) विभागीय अनुसंधान

विदित है कि प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग का यह **2014-15** का प्रथम शैक्षणिक सत्र है। जहां अब अनुसंधान की योजनाएँ 2019 से संचालित हैं। विभागीय स्तर पर शोध-कार्य (पीएच.डी.) प्रारम्भ हो गया है। इस विभाग में पंजीकृत होकर चार शोधार्थी कार्यरत हैं।

(ज) प्रशिक्षण एवं प्रतिस्थापना

प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग में अध्यापन कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थियों को विविध तरह के शैक्षणिक प्रशिक्षण का प्रावधान है। जिसे सुगमतापूर्वक संचालित किया जाता है। आगामी वर्षों में विद्यार्थियों की स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त के उपरान्त विभिन्न क्षेत्रों में कई विद्यार्थियों की प्रतिस्थापनायें हुई हैं, क्योंकि इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य रोजगार प्रदान कराना है।

(झ) संगोष्ठी एवं कार्यशालाएँ

हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य पर केन्द्रित 2015 से अनेक संगोष्ठी (सेमिनार), कार्यशालाये, व्याख्यानमाला आयोजित की जा चुकी हैं।

निकट भविष्य में राजभाषा की साप्ताहिक प्रशिक्षण कराने की भी योजना है।

(ट) विभागीय सुविधाएँ एवं संसाधन एवं पुस्तकालय

प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग मुख्यतः साहित्येतर हिन्दी के विविध आयामों पर केन्द्रित पाठ्यक्रम को संचालित करता है। अतः इस विभाग में संगणक (कम्प्यूटर), प्रोजेक्टर, टेलीप्रिंटर, विडियो-कांफ्रेसिंग सुविधा, इंटरनेट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं-संसाधनों से युक्त व्यवस्था है। यहाँ विभागीय पुस्तकालय भी है, किन्तु अभी विभागीय पुस्तकालय में अपर्याप्त पुस्तकें और पत्रिकाएं हैं, जिनका लाभ विद्यार्थी और शिक्षक प्राप्त करते हैं।

(ठ) विभागीय अद्यतन गतिविधियाँ

प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग विश्वविद्यालयीन गतिविधियों, राजभाषायी भूमिका निभाने में सहयोग प्रदान करता है। संगोष्ठी, कार्यशाला, स्मारिका व विविध प्रकाशन-आयोजन में बढ़-चढ़ करके अपनी सहभागिता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के विधिक अध्ययन विभाग में आयोजित विधि संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वविध सहयोग प्रदान किया है और इसकी परिचर्चा भी हुई। कम्प्यूटर विभाग द्वारा 2022 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भी विभागीय सहयोग था। इस प्रकार प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग अन्य अनेक शैक्षणिक, सांस्कृतिक आयोजनों में सतत सहयोग प्रदान करता है।

(ड) विभागीय गतिविधि:

मा. कुलपति प्रो. अशोक सिंह जी की प्रेरणा से विभागीय स्तर पर विगत वर्षों में अनेक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है, जिसका विवरण अधोलिखित है।

Details Conferences, Seminars, workshops & Symposia

S. No.	Conferences/Seminar /Workshop	International/National	Date	Funding agencies	Total no. of participants
1	MATRIBHASHA KII AWDHARANA EW AITIHAISKATA	NATIONAL SEMINAR	21.02.2019	SGGU-AMBIKAPUR	70
2	RASHTRBHASHA HINDI KI MAHATTA	HINDI DIWAS SAMAROH	14.02.2019	SGGU-AMBIKAPUR	39

3	VARTMAN ANTRARASHTRIY SAMBANDHON ME SANKAT-RUSSIA-UKREN SANGHARSH	INTERNATIONAL SEMINAR	07.03.2019	SGGU-AMBIKAPUR	70
4	BHARAT ME VARTMAN PARYAWARANIY CHUNAUTIYAN	NATIONAL SEMINAR	02.05.2019	SGGU-AMBIKAPUR	30
4	BHARTIY SWATANTRAY SAMAR ME HINDI PATRKARITA KA PRADEY	INTERNATIONAL SEMINAR	17.05.2019	SGGU-AMBIKAPUR	35
5	AAJADI KE ANDOLAN ME HINDI KI BHUMIKA	BHASHAN PRATIYOGITA	03.08.2022	SGGU-AMBIKAPUR	29
6	ANTARRASHTRIY SAKSHARATA DIWAS	ANTARRASHTRIY SAKSHARATA DIWAS	08.09.2022	SGGU-AMBIKAPUR	52
7	BHARTIY SWATANTRATA SANGRAM ME HINDI SAHITYA KI BHUMIKA	NATIONAL SEMINAR	14.09.2022	SGGU-AMBIKAPUR	53
8	KAVYA GOSHTHI-AAZADI KA AMRIT MAHOTSAW	AAZADI KA AMRIT MAHOTSAW	30.09.2022	SGGU-AMBIKAPUR	

9	MAHAMANA MALVIYA AUR UNKA JIWAN MULY	NATIONAL SEMINAR	28.12.2022	SGGU-AMBIKAPUR	51

(ढ) स्वर्णपदक प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राएं

नाम	सत्र

1. श्रीमती रितु तिवारी (2016)
2. श्री अक्षयरंजन वर्मा (2017)
3. श्रीमती ममता चतुर्वेदी (2018)
4. श्री मनोज पैकरा (2019)
5. सुश्री पूजा शर्मा (2020)

(ण) विभागीय छात्रों का चयन :

1. निजी स्कूल में शिक्षण कार्य करने वाली छात्राएं

नाम	सत्र
श्रीमती रितु तिवारी	(2014)
श्रीमती प्रिया गुप्ता	(2014)
श्रीमती संजू गुप्ता	(2014)

श्रीमती करुणा कुमारी (2014)

श्रीमती अनीता जायसवाल (2014)

2. आत्मानन्द अंग्रेजी विद्यालय में अध्यापन कार्य करने वाले विद्यार्थी

श्री अक्षयरंजन वर्मा (2015)

श्रीमती अशरफजहाँ (2016)

3. होली क्रास महाविद्यालय, अंबिकापुर में शिक्षण कार्य करने वाली छात्रा

श्रीमती ज्योति कमल (2017)

4. सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में सेवारत विद्यार्थी

श्री देवनारायण सिंह पैकरा (2019)

5. खेल विभाग-सरगुजा (तीरंदाजी कोच) में सेवारत विद्यार्थी

श्री राहुल सोनकर (2016)

6. चिकित्सा विभाग-सरगुजा में सेवारत विद्यार्थी

श्री पनमेश्वर भगत (2019)

(प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग का संपर्क एवं पत्राचार)

प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग के प्रभारी / अध्यक्ष के सचलभाष (मोबाईल) पर कभी भी संपर्क किया जा सकता है।

पत्राचार : विभागाध्यक्ष, प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) पिन- **497001**